मेरे पिया का क्या कहना,
नूरी मुखड़े वाले मेरे धाम धनी
शोभा सुन्दरता का कोई पार नहीं
1-किया सिनगार सब मेरे दूल्हा,
वस्तर भूखण तेज अपारा
कंठ हार अंग अंग नूरी,
नूरी झलकारों झलकारा
दूल्हा का..क्या कहना,नूरी मुखड़े...
2- श्वेत है जामा केसरी ईजार,
पाग सिनदुरिया पटुका है नीला पीला
रंग पिछौरी है आसमानी,
पूर्ण स्वरूप नूरी सजीला
साहेब का...क्या कहना,नूरी मुखड़े...
3- अखण्ड स्वरूप धाम अन्दर,
श्यामा जी की छवि अति सुन्दर
शीश कमल पर राखड़ी सोहे,
मुखड़ा नूरी टीका मस्तक ऊपर
श्यामा जी का....क्या कहना,नूरी मुखड़े....

Nijanand App